

27.12.2016

Exam.Code: 1101

Sub. Code: 8019

1126

B.Ed. (General) First Semester

Paper – C 6 & 7 [Opt. (xiv)]: Pedagogy of Home Science – I

(Same for USOL candidates of First Semester)

(In all mediums)

Time allowed: 2 Hours

Max. Marks: 40

**NOTE:** Attempt four questions in all selecting one question from each Unit.

x-x-x

**UNIT – I**

- I. "Home Science not only orients a girl for household work but prepares a girl for many careers". (10)
- II. How can Home Science be linked with other school subjects? Explain with the help of suitable examples. (10)

**UNIT – II**

- III. Discuss the RCEM's approach of writing instructional objectives in behavioural terms by taking suitable examples of Home Science. (10)
- IV. Describe the principles of curriculum construction for Home Science. Evaluate the existing syllabus. (7,3)

**UNIT – III**

- V. Discuss in detail how the Lecture cum Demonstration method and Discussion method can be used to make teaching, of Home Science more effective. (5,5)
- VI. Give the pedagogical analysis of any one topic of Home Science. (10)

**UNIT – IV**

- VII. Write in detail the guidelines for making flower arrangement and rangoli. (5,5)
- VIII. Explain the Elements of art in interior decoration. (10)

x-x-x

(Hindi and Punjabi versions enclosed)

P.T.O

प्रश्न-1

- 1. "गृहविज्ञान मनुष्य को न केवल घर में बल्कि कार्य में विद्ये दिशा प्रदान करता है, बल्कि उसे सही सम्बन्धों में विद्ये वैचार भी करता है।"
- 2. गृहविज्ञान को संस्कृत में अन्य विषयों से संबंधित किया जा सकता है ? उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से दर्शा करो। प्रश्न-2
- 3. R.C.M की व्यावहारिक परीक्षा में वैशेषिक उद्देश्यों को सिद्ध करने के लिये घर गृहविज्ञान की उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से दर्शा करो।
- 4. गृहविज्ञान के विद्ये प्राथमिक वैचार करने के सिद्धान्तों का वर्णन करो। प्रौढता प्राथमिकता का प्रदर्शन करो।

प्रश्न-2

- 1. हविस्तर वर्णन करो कि लैम्बर और प्रदर्शन विद्ये एवं वर्णन विद्ये का प्रयोग गृहविज्ञान में अध्यापन को अधिक प्रभावकारी बनाये में किया जा सकता है ?
- 2. गृहविज्ञान में किन्ही एक विषय को शिवांगालीय विश्लेषण करो।

प्रश्न-3

- 1. मूलों की परिष्कृतता और संगोली बनाने में विद्ये दिशा-निर्देशों का हविस्तर उल्लेख करो।
- 2. आंतरिक सजावट में मूलों के वर्णों की व्याख्या करो।

x-x-x

प्रश्न-1

- 1. "गृह-विज्ञान करने से न केवल घर के भी-बाह्य सभी दिशा प्रदान करता है, बल्कि उसे सही विचारों में भी विचार करता है।"
- 2. गृह-विज्ञान से मनुष्य के लिये विज्ञानों का किसे संबंधित होता है ? उदाहरणों द्वारा उदाहरणों की सहायता से सिद्ध करो। प्रश्न-2
- 3. R.C.M की व्यावहारिक परीक्षा में विद्ये दिशा-निर्देशों को सिद्ध करने के लिये घर गृह-विज्ञान की उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से दर्शा करो।
- 4. गृह-विज्ञान में किन्ही एक विषय को शिवांगालीय विश्लेषण करो।

प्रश्न-2

- 1. दिशा-निर्देश वर्णन करो कि लैम्बर और प्रदर्शन विद्ये एवं वर्णन विद्ये का प्रयोग गृह-विज्ञान में अध्यापन को अधिक प्रभावकारी बनाये में किया जा सकता है ?
- 2. गृह-विज्ञान में किन्ही एक विषय को शिवांगालीय विश्लेषण करो।

प्रश्न-3

- 1. मूलों की परिष्कृतता और संगोली बनाने में विद्ये दिशा-निर्देशों का हविस्तर उल्लेख करो।
- 2. आंतरिक सजावट में मूलों के वर्णों की व्याख्या करो।

x-x-x